भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 877
बुधवार, 7 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी) योजना

†877. श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री भोला सिंह:
श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2021-26 की अवधि के दौरान कार्यान्वियन हेतु व्यापक योजना "पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)" के लिए 4,797 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त योजना में एक्रॉस, ओ-स्मार्ट, पेसर, सेज और रीचआउट नामक पांच चालू उप-योजनाएँ शामिल हैं; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए जा रहे कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क-घ) जी हां। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 5 जनवरी 2024 को वर्ष 2021-26 तक की अवधि के दौरान कार्यान्वियन के लिए कुल 4797 करोड़ रुपये की लागत की पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की व्यापक योजना "पृथ्वी विज्ञान **(पृथ्वी)**" को अनुमोदित किया है ।

पृथ्वी योजना में पांच जारी उप-योजनाएं शामिल हैं, जिनके नाम हैं:-

(i) वायुमण्डल एवं जलवायु अनुसंधान-माडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां एवं सेवाएं (अक्रॉस)।
(ii) समुद्री सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)।
(iii) ध्रुवीय विज्ञान और हिमांकमंडल अनुसंधान (पेसर)।
(iv) भूकम्प विज्ञान एवं भू-विज्ञान (सेज)
(v) अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)।

व्यापक योजना **"पृथ्वी"** पृथ्वी प्रणाली के सभी पांच संघटकों यथा वायुमंडल, जलमंडल, भूमंडल, हिमांकमंडल, तथा जैवमंडल पर समग्र रूप से कार्य करती है, ताकि पृथ्वी प्रणाली विज्ञानको समझने में सुधार हो तथा देश को विश्वसनीय सेवाएं प्रदान की जा सकें। पृथ्वी योजना के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास तथा प्रचालनात्मक (सेवाएं) गतिविधियां पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित संस्थानों के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से एकीकृत तरीके से की जाती हैं।

*****